चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-7-26	3	1-3

• एचएयू और मध्यप्रदेश की कंपनी में करार को लेकर हस्ताक्षर

समझौता: एमएच 1762 मूंग का बीज तैयार करेगी कंपनी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ रही है। वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देश अनुसार तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा मध्य प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी मूंग की उन्नत किस्म एमएच 1762 का बीज तैयार कर किसानों तक पहुंचाएगी, जिससे किसानों को विश्वसनीय बीज मिलेगा और पैदावार बढ़ेगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एमएच 1762 किस्म पीला मोज़ैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। यह किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए के लिए अनुमोदित की गई है। यह लगभग 60 दिनों में पककर तैयार हो जाती हैं।

एमओयू पर एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि कॉलेज डीन डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. पवन रहे।

बागवानी व सब्जी फसलों के लिए गेम चेंजर बना एचएयू का फ्रूट फ्लाई ट्रैप

हिसार | मानसून की बारिश के साथ ही बागवानों और सब्जी उत्पादक किसानों के लिए फल मक्खी फ्रूट फ्लाई का खतरा बढ़ गया है। फलों से लेकर घीया, तोरी, करेला और खरबूजे जैसी बेलदार सब्जियों को 70 प्रतिशत तक तबाह करने वाले इस कीट से निपटने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों ने एक बेहद प्रभावी और सस्ती तकनीक विकसित की है। एचएयू के कीट विज्ञान विभाग द्वारा तैयार किया गया फ्रूट फ्लाई ट्रैप फल मक्खी के नियंत्रण में गेम चेंजर साबित हो रहा है। एक ट्रैप की कीमत 130 रुपये हैं, इसे कीट विज्ञान विभाग एचएयू से प्राप्त कर सकते हैं। एक एकड़ में 12 से 14 ट्रैप लगाए जा सकते हैं। वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह विशेष ट्रैप नर मक्खियों को अपनी ओर आकर्षित कर फंसा लेता है, जिससे उनका प्रजनन चक्र टूट जाता है और कीटों की आबादी स्वतः नियंत्रित हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-7-26	5	2-3

मूंग की किस्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कंपनी से समझौता

समझौते के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज व अन्य • ,पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड खांडवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कंपनी के साथ समझौता किया है। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की किस्म एमएच 1762 का बीज तैयार करे कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि एमएच1762 किस्म पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-7-26	4	1-2

किसानों को मूंग की उन्नत किस्म एमएच-1762 का बीज मिलेगा

समझौते के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज और अन्य। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने किसानों तक मूंग की उन्नत किस्मों का बीज पहुंचाने के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खंडवा के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्म एमएच-1762 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की विकसित उन्नत किस्मों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों को प्रमाणित एवं विश्वसनीय बीज उपलब्ध होगा और फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मूंग की उन्नत किस्म एमएच-1762 के प्रसार के लिए किया समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कंपनी की ओर से चेयरमैन सुभाष महता ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत कंपनी लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर बीज उत्पादन और विपणन का अधिकार प्राप्त करेगी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22-7-26	12	2-5

हकृवि का मूंग की किस्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। समझौते के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कंपनी के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की किस्म एमएच 1762 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम.एच.1762 किस्म पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। यह किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए के लिए अनुमोदित की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-7-26	7	1-3

हकृवि का मूंग की किस्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ हुआ समझौता

हिसार, 21 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कंपनी के साथ समझौता किया है। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की किस्म एमएच 1762 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम.एच.1762 किस्म पीला मोज़ैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। यह किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए के लिए अनुमोदित की गई है। एम.एच.1762 लगभग 60 दिनों में पककर तैयार हो जाती हैं। इनके दाने चमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होंते है। ये किस्म सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. पवन उपस्थित रहे।

समझौते के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.07.2026	-----	----

हकृवि का मूंग की किस्म को बढ़ावा देने के लिए निजी कम्पनी के साथ हुआ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कंपनी के साथ समझौता किया है। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की किस्म एमएच 1762 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम.एच.1762 किस्म पीला मोजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। यह किस्म बसंत एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए के लिए अनुमोदित की गई है। एम.एच.1762 लगभग 60 दिनों में पककर तैयार हो जाती हैं। इनके दाने चमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होते है। ये किस्म सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. पवन उपस्थित रहे।